PAPER-II
PĀLI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) __________________________
   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________
(In words)

J A 0 8 3 1 7

Time : **1 ¼** hours]	[Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **24**	Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
   (iv) The test booklet no. and OMR sheet no. should be same. In case of discrepancy in the number, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of the Test Booklet / OMR Sheet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
   (iv) प्रश्न पुस्तिका नं. और OMR पत्रक नं. समान होने चाहिए । यदि नंबर भिन्न हों, तो परीक्षार्थी प्रश्न-पुस्तिका / OMR पत्रक बदलने के लिए निरीक्षक को तुरंत सूचित करें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा ।

PĀLI

Paper – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

1. "The statement – Yāyaṃ taṇhā ponobbhavikā nandīrāgasahagatā tatratatrābhinandinī" is related with

(1) Dukkhaṃ Ariyasaccaṃ

(2) Dukkhasamudayaṃ Ariyasaccaṃ

(3) Dukkhanirodhaṃ Ariyasaccaṃ

(4) Dukkhanirodhagāminī Patipadā

2. "Tena kho pana samayena satta loke Arahanto honti". These first seven arahantas were :

(1) Sāriputta, Yasa and Pañcavaggiyā Bhikkhū

(2) Upaka, Sāriputta and Pañcavaggiyā Bhikkhū

(3) Bhagavā Budda, Pañcavaggiyā Bhikkhū and Yasa

(4) Upaka, Yasa and Pañcavaggiyā Bhikkhū

3. The exalted Buddha spent these many days sitting under the Bo-tree crossleggedly in one posture :

(1) Three days (2) Four days

(3) Five days (4) Seven days

पालि

प्रश्नपत्र – II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. 'यायं तण्हा पोनोब्भविका नन्दीरागसहगता तत्रतत्राभिनन्दिनी' यह कथन इससे सम्बन्धित है –

(1) दुक्खं अरियसच्चं

(2) दुक्खसमुदयं अरियसच्चं

(3) दुक्खनिरोधं अरियसच्चं

(4) दुक्खनिरोधगामिनी पटिपदा

2. 'तेन खो पन समयेन सत्त लोके अरहन्तो होन्ति' प्रथम सात अर्हत ये थें :

(1) सारिपुत्त, यस एवं पञ्चवग्गिय भिक्खु

(2) उपक, सारिपुत्त एवं पञ्चवग्गिय भिक्खु

(3) भगवान् बुद्ध, पञ्चवग्गिय भिक्खु एवं यस

(4) उपक, यस एवं पञ्चवग्गिय भिक्खु

3. भगवान् बुद्ध ने बोधिवृक्ष के नीचे एक पालथी में इतनें दिन बिताए :

(1) तीन दिन (2) चार दिन

(3) पांच दिन (4) सात दिन

4. “Svākkhāto dhammo cara brahmacariyaṃ sammā dukkhassa antakiriyāyāti” are the words which for the first time led to the upasampadā of :

(1) Yasa (2) Upaka

(3) Mahānāma (4) Aññāsikoṇḍañña

5. According to the Brahmajāla Sutta, the one to indulge in denigration in the case of the Buddha was

(1) Brahmadatta (2) Anāthapiṇḍaka

(3) Suppiya (4) Yasa

6. ‘Atthi paro lokoti iti te naṃ vyākareyya ….. Tathātipi me no, Aňňathātipi me no’

This is his view -

(1) Pūraṇakassapo

(2) Nigañṭhanāṭaputto

(3) Makkhaligosālo

(4) Saňjayavelaṭṭhaputto

7. The explanation of ‘tiracchānavijjāya micchājīvena jivitaṃ Kappenti, has been given under this

(1) Sāmaňňaphala (2) Cūlasīla

(3) Majjhimasīla (4) Mahāsīla

8. The term ‘Amatapada’ stands for

(1) Pamādo (2) Kāmaratisanthavaṃ

(3) Appamādo (4) Dummedhino janā

4. स्वाक्खातो धम्मो, चर ब्रह्मचरियं सम्मा दुक्खस्स अन्तकिरियाया'ति सर्वप्रथम इन वचनों से इनकी उपसम्पदा हुई थी :

(1) यस
(2) उपक
(3) महानामा
(4) अञ्ञासिकोऽञ्ञ

5. ब्रह्मजालसुत्त में बुद्ध के सन्दर्भ में अवण्ण बोलने वाला इसको कहा गया है –

(1) ब्रह्मदत्त
(2) अनाथपिण्डक
(3) सुप्पिय
(4) यस

6. 'अत्थि परो लोकोति इति ते नं व्याकरेय्य…..तथातिपि मे नो, अञ्ञथातिपि मे नो' यह मत इनका है

(1) पूरणकस्सपो
(2) निगण्ठनाटपुत्तो
(3) मक्खलिगोसालो
(4) सञ्जयवेलट्ठपुत्तो

7. 'तिरच्छानविज्जाय मिच्छाजीवेन जीवितं कप्पेन्ति' का वर्णन इसके अन्तर्गत किया गया है –

(1) सामञ्ञफल
(2) चूलसील
(3) मज्झिमसील
(4) महासील

8. 'अमतपद' इसको कहा गया है –

(1) पमादो
(2) कामरतिसन्थवं
(3) अप्पमादो
(4) दुम्मेधिनो जना

9. The attainment of sukha takes place due to

(1) Manasā ca paduṭṭhena

(2) Indriyesu asaṃvutaṃ

(3) Kusītaṃ

(4) Manasā ca pasannena

10. The Sabbasava Sutta was preached here

(1) Sāvatthi (2) Nālandā

(3) Rājagȧha (4) Vesālī

11. The number of Śāstra-s that Milinda knew was ____

(1) Sixteen (2) Seventeen

(3) Eighteen (4) Nineteen

12. The one who is not included in the list of the "Six Satthāro" happens to be

(1) Pūraṇa Kassapo (2) Makkhaligosālo

(3) Nagaṇṭho Nāṭaputto (4) Bhagavā Buddho

13. "Tena hi tvaṃ, dasamāsādhikāni sattavassāni taṃ̭ kulaṃ piṇḍāya pavisitvā Nāgasenaṃ darakaṃ nīharitvā pabbājehi" was the order given to

(1) Nāgasena (2) Anantakāya

(3) Assagutta (4) Rohaṇa

9. सुख की प्राप्ति इससे बताई गई है

(1) मनसा च पदुट्ठेन

(2) इन्द्रियेसु असंवुतं

(3) कुसीतं

(4) मनसा च पसन्नेन

10. सब्बासवसुत्त का उपदेश यहाँ पर दिया गया था –

(1) सावत्थि (2) नालन्दा

(3) राजगह (4) वेसाली

11. मिलिन्द इतने शास्त्र जानते थे –

(1) सोलह (2) सत्रह

(3) अठारह (4) उन्नीस

12. छ: सत्थारो में यह परिगणित नहीं है –

(1) पूरणो कस्सपो (2) मक्खलि गोसालो

(3) निगण्ठो नाटपुत्तो (4) भगवा बुद्धो

13. 'तेन हित्वं, दस मासाधिकानि सत्तवस्सानी तं कुलं पिण्डाय पविसित्वा नागसेनं दारकं नीहरित्वा पब्बाजेहि ।' यह आदेश इनको दिया गया था –

(1) नागसेन (2) अनन्तकाय

(3) अस्सगुत्त (4) रोहण

14. This statement “Pāpakānam malānaṃ pbbājetuṃ pabbajito” happens to be that of

(1) Rohaṇa (2) Āyupāla

(3) Milinda (4) Nāgasena

15. ‘Buddhasāsane bhijjante na passasi saṅghassa Karaṇīyānī’ti is the statement of

(1) Assagutta (2) Rohaṇa

(3) Nāgasena (4) Milinda

16. In the Milindapan̄ho, the hindrances caused by Kesamassu has been spoken by

(1) Nȧgasena (2) Mahāsena

(3) Rohaṇa (4) Milinda

17. Upasena Sthavira was the author of :

(1) Parmatthajotikā

(2) Rūpārūpavibhaga

(3) Saddhammajotikā

(4) Parmatthamaṅjūsā

18. The author of the ‘Nettippakaraṇa aṭṭhakathā’ is

(1) Sumaṅgala (2) Buddhadatta

(3) Mahānāma (4) Dhammapāla

14. ‘पापकानं मलानं पब्बाजेतुं पब्बजितो’ यह कथन इनका है

(1) रोहण (2) आयुपाल

(3) मिलिन्द (4) नागसेन

15. ‘बुद्धसासने भिज्जन्ते न पस्ससि सङ्घस्स करणीयानी’ ति ।’ यह कथन इनका है –

(1) अस्सगुत्त (2) रोहण

(3) नागसेन (4) मिलिन्द

16. मिलिन्दपञ्हो में केसमस्सु की बाधाएँ किसके द्वारा कथित हैं –

(1) नागसेन (2) महासेन

(3) रोहण (4) मिलिन्द

17. उपसेन स्थविर इस ग्रन्थ के लेखक थे :

(1) परमत्थजोतिका

(2) रूपारूपविभाग

(3) सद्धम्मजोतिका

(4) परमत्थमंजूषा

18. ‘नेत्तिप्पकरण’ अट्ठकथा के लेखक हैं –

(1) सुमंगल (2) बुद्ध दत्त

(3) महानाम (4) धम्मपाल

19. Match an item in List-I with an item in List-II :

List – I	List – II
(a) Satthisāmā	(i) Avyayībhava Samāsa
(b) Visālakkho	(ii) Dvanda Samāsa
(c) Pavīro	(iii) Kammadhāraya Samāsa
(d) Nāmarūpaṃ	(iv) Bahubbīhi Samāsa

Find the correct answer from the following codes :

(1) (a) + (i) (2) (b) + (iii)

(3) (c) + (iv) (4) (d) + (ii)

20. Author of the Paramatthadīpanī Aṭṭhakathā is

(1) Dhammapāla (2) Dhammarakkhita

(3) Buddhadatta (4) Upasena

21. According to the Cūlavaṃsa the name 'Buddhaghosa' was given to Ghosakumāra by this monk :

(1) Buddhadatta (2) Buddhanāga

(3) Sthavira Revata (4) Sthavira Sumaṅgala

22. The correct combination is :

(1) Sammohavinodanī – Buddhadatta

(2) Saddhammajotikā – Buddhaghosa

(3) Saddhammappakāsinī – Bhadanta Mahānāma

(4) Nettippakaranaṭṭhakathā – Upasena Sthavira

19. तालिका-I को तालिका-II से मिलाइए और :

तालिका – I	**तालिका – II**
(a) सत्थिसामा	(i) अव्ययीभाव समास
(b) विसालक्खो	(ii) द्वन्द्व समास
(c) पवीरो	(iii) कम्मधारय समास
(d) नामरूपं	(iv) बहुब्बीहि समास

निम्नलिखित कूट युग्मों में से सही उत्तर को पहचानिए :

(1) (a) + (i)
(2) (b) + (iii)
(3) (c) + (iv)
(4) (d) + (ii)

20. 'परमत्थ दीपनी' अट्ठकथा के लेखक हैं –

(1) धम्मपाल
(2) धम्मरक्खित
(3) बुद्धदत्त
(4) उपसेन

21. चूलवंस के अनुसार घोसकुमार को 'बुद्धघोस' यह नाम इन्होंने प्रदान किया था :

(1) बुद्धदत्त
(2) बुद्धनाग
(3) स्थविर रेवत
(4) स्थविर सुमंगल

22. सही युग्म यह है :

(1) सम्मोहविनोदनी – बुद्धदत्त
(2) सद्धम्मजोतिका – बुद्धघोस
(3) सद्धम्मप्पकासिनी – भदन्त महानाम
(4) नेत्तिप्पकरणट्ठकथा – उपसेन स्थविर

23. 'Pali is the language of Kosala region' this view is of

(1) Oldenberg

(2) Rhys Davids

(3) Buddhaghosa

(4) Bhikkhu Jagadīsa Kassap

24. This is not the example of Samāsa :

(1) Sonaleyyo (2) Sabbhireva

(3) Gaṅgāsoṇaṃ (4) Mariyādāyaṃ

25. The case-ending related with the Karaṇa Kāraka is :

(1) Tatiyā (2) Sattamī

(3) Pañcamī (4) Chaṭṭhī

26. Buddhaghosa was ordained in Buddhism by

(1) Mahākassapa (2) Mahānāma

(3) Revata Mahāthera (4) Moggaliputta Tissa

27. Dīpavaṃsa deals with the history of Sri Lanka upto the period of King

(1) Mahāsena (2) Siṁhabāhu

(3) Mahāsiva (4) Pāṇḍuvāsudeva

23. ‘पालि भाषा कोसल क्षेत्र की भाषा थी’ यह मन्तव्य इनका है –

(1) ओल्डनबर्ग

(2) राइसडेविड्स

(3) बुद्धघोस

(4) भिक्खु जगदीश कस्सप

24. यह समास का उदाहरण नहीं है :

(1) सोनलेय्यो
(2) सब्भिरेव
(3) गङ्गासोणं
(4) मरियादायं

25. ‘करणकारक’ में यह विभक्ति होती है :

(1) ततिया
(2) सत्तमी
(3) पञ्चमी
(4) छट्ठी

26. बुद्धघोस इनके द्वारा बौद्ध धर्म में दीक्षित हुए थे –

(1) महाकस्सप
(2) महानाम
(3) रेवत महाथेर
(4) मोग्गलिपुत्त तिस्स

27. दीपवंस श्रीलंका के इतिहास को इस राजा के समय तक प्रस्तुत करता है –

(1) महासेन
(2) सिंहबाहु
(3) महासिव
(4) पाण्डुवासुदेव

28. Anto Jaṭā bahi jaṭā jaṭāya jaṭitā pajā |

Taṁ taṁ Gotama pucchāmi Ko ėmaṁ vijaṭaye jaṭaṁ ||

This verse was given to the following Buddhist scholar for commentarial description :

(1) Buddhadatta
(2) Mahānāma
(3) Dhammapāla
(4) Buddhaghosa

29. Who is the eldest among these commentators ?

(1) Upasena
(2) Dhammapāla
(3) Buddhadatta
(4) Buddhaghōsa

30. 'Buddha ghosuppatti' is authored by :

(1) Mahānāma
(2) Dhammapala
(3) Mahāmaṅgala
(4) Buddhadatta

31. Vicāra is absent firstly in the

(1) Fourth Rūpa-jhāna
(2) Third Rūpa-jhāna
(3) Fifth Rūpa-jhāna
(4) First Rūpa-jhāna

32. Into how many parts Rūpa has been treated in the Abhidhammatthasaṅgaho ?

(1) 03
(2) 06
(3) 09
(4) 11

28. अन्तो जटा, बहि जटा, जटाय जटिता पजा ।

तं तं गोतम पुच्छामि, को इमं विजटये जटं ।।

यह गाथा व्याख्या करने के लिए इन बौद्ध विद्वान् को दी गयी थी :

(1) बुद्धदत्त (2) महानाम

(3) धम्मपाल (4) बुद्धघोस

29. इन अट्ठकथाकारों में वरिष्ठ कौन है ?

(1) उपसेन (2) धम्मपाल

(3) बुद्धदत्त (4) बुद्धघोस

30. 'बुद्धघोसुप्पत्ति' इनके द्वारा लिखी गयी है :

(1) महानाम (2) धम्मपाल

(3) महामंगल (4) बुद्धदत्त

31. 'विचार' प्रथमत: किसमें अनुपस्थित रहता है ?

(1) चतुर्थ रूपज्झान (2) तृतीय रूपज्झान

(3) पञ्चम रूपज्झान (4) प्रथम रूपज्झान

32. अभिधम्मत्थसङ्गहो में रूप को कितने भागों में विभाजित किया गया है ?

(1) 3 (2) 6

(3) 9 (4) 11

33. '<u>Saddhā</u>' belongs to which type of Psychic factors ?

(1) Sobhana – Sādhāraṇa – cetasika

(2) Apamaññā – cetasika

(3) Aññasamāna – cetasika

(4) Pakėṇṇaka – cetasika

34. What is the number of <u>Kusalamahāvipākas</u> ?

(1) 08 (2) 16

(3) 24 (4) 32

35. How many <u>nīvaraṇas</u> are discussed in the <u>Dhammasaṅgaṇi</u> ?

(1) 08 (2) 06

(3) 10 (4) 07

36. The complete year-wise account of the vassāvasas spent by the Buddha is available in

(1) Madhuratthavilāsinī

(2) Samantapāsādikā

(3) Abhidhammāvatāra

(4) Visuddhimagga

37. According to the Manorathapūraṇī, when the Dhamma comes to an end, the first nikāya of the sutta pitaka to disappear would be

(1) Dīgha Nikāya (2) Majjhima Nikāya

(3) Saṃyutta Nikāya (4) Aṅguttara Nikāya

33. चेतसिकों के किस प्रकार से 'सद्धा' सम्बन्धित है ?

(1) सोभन – साधारण – चेतसिक

(2) अपमञ्ञा – चेतसिक

(3) अञ्ञसमान – चेतसिक

(4) पकिण्णक – चेतसिक

34. 'कुसलमहाविपाकों' की संख्या कितनी है ?

(1) 8
(2) 16
(3) 24
(4) 32

35. धम्मसङ्गणि में 'नीवरणों' की संख्या कितनी है ?

(1) 8
(2) 6
(3) 10
(4) 7

36. बुद्ध के वर्षावासों का संपूर्ण वार्षिक विवरण इस ग्रंथ में उपलब्ध है :

(1) मधुरत्थविलासिनी

(2) समंतपासादिका

(3) अभिधम्मावतार

(4) विसुद्धिमग्ग

37. मनोरथपूरणी के अनुसार, जब धम्म लुप्त होगा, सबसे पहले यह निकाय लुप्त होगा –

(1) दीघ निकाय
(2) मज्झिम निकाय
(3) संयुत्त निकाय
(4) अंगुत्तर निकाय

38. Which rule of the vinaya prohibits the taking of solid food by monks after midday ?

(1) Dukkaṭa (2) Pārājika

(3) Pācittiya (4) Nissaggiya

39. The number of rules of the Bhikkhuṇi Pātimokkha is

(1) 301 (2) 317

(3) 311 (4) 221

40. The term <u>anāgāmi</u> stands for

(1) One who has crossed the first of the four levels of Nibbāna.

(2) One who has crossed the second of the four levels of Nibbāna.

(3) One who has crossed the third of the four levels of Nibbāna.

(4) One who has crossed the fourth of the four levels of Nibbāna.

41. Match an item in the List-I with the items of List-II :

List – I	**List – II**
(a) Majjhima Nikāya	(i) Manorathapūraṇi
(b) Digha Nikāya	(ii) Papañcasūdanī
(c) Saṃyutta Nikāya	(iii) Sumaṅgalavilāsinī
(d) Aṅguttara Nikāya	(iv) Sāratthappakāsinī

Find the correct answer from the following codes :

Codes :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

38. विनय के किस नियम के अनुसार भिक्षुओं को दोपहर के बाद भोजन खाना वर्जित है ?

(1) दुक्कट (2) पाराजिक

(3) पाचित्तिय (4) निस्सग्गिय

39. भिक्खुणी पातिमोक्ख के नियमों की संख्या है –

(1) 301 (2) 317

(3) 311 (4) 221

40. अनागामि पद का अभिप्राय है –

(1) जिसने निब्बान-प्राप्ति के चार में से पहले स्तर को पार कर लिया हो ।

(2) जिसने निब्बान-प्राप्ति के चार में से दूसरे स्तर को पार कर लिया हो ।

(3) जिसने निब्बान-प्राप्ति के चार में से तीसरे स्तर को पार कर लिया हो ।

(4) जिसने निब्बान-प्राप्ति के चार में से चौथे स्तर को पार कर लिया हो ।

41. तालिका-I के ग्रंथों को तालिका-II के लेखकों से मिलान कीजिए :

तालिका – I	**तालिका – II**
(a) मज्झिम निकाय	(i) मनोरथपूरणी
(b) दीघ निकाय	(ii) पपञ्चसूदनी
(c) संयुत्त निकाय	(iii) सुमंगलविलासिनी
(d) अंगुत्तर निकाय	(iv) सारत्थप्पकासिनी

निम्न कूटों में से सही उत्तर बताइए :

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

42. Which of the following group of texts belongs only to the Abhidhamma Piṭaka ?

(1) Dhātukathā, Puggalapaññatti, Nettippakaraṇa, Paṭṭhāna

(2) Vibhaṅga, Dhātukathā, Kathāvatthu, Yamaka

(3) Puggalapaññatti, Nettippakaraṇa, Yamaka, Paṭṭhāna

(4) Vibhaṅga, Aṭṭhasālinī, Kathāvatthu, Dhammasaṅgaṇi

43. The Cariyāpiṭaka is a collection of how many tales ?

(1) 24 (2) 35

(3) 39 (4) 40

44. According to Pāli-based Buddhism, there are serially three levels of bodhi. These are

(1) Bodhi, Sāvakabodhi, Paccekabodhi

(2) Puthujanabodhi, Sāvakabodhi, Saṃbodhi

(3) Bodhi, Mahābodhi, Saṃbodhi

(4) Sāvakabodhi, Paccekabodhi, Sammāsaṃbodhi

45. According to some of the Jātaka stories, Vāsudeva and Baladeva along with their eight brothers, who were nephews of King Kaṃsa, after conquering Jambudipa made this city their capital

(1) Ayojjhā (2) Mathurā

(3) Dvāravatī (4) Gokulapuri

42. निम्नलिखित ग्रंथसूची में से कौन ग्रन्थ समूह केवल अभिधम्म पिटक का भाग है ?

(1) धातुकथा, पुग्गलपञ्ञत्ति, नेत्तिप्पकरण, पट्ठान

(2) विभंग, धातुकथा, कथावत्थु, यमक

(3) पुग्गपञ्ञत्ति, नेत्तिप्पकरण, यमक, पट्ठान

(4) विभंग, अट्ठसालिनी, कथावत्थु, धम्मसंगणि

43. चरियापिटक में कितनी कथाओं का संग्रह है ?

(1) 24 (2) 35

(3) 39 (4) 40

44. पालि-आधारित बौद्ध धर्म के अनुसार, बोधि के क्रमानुसार तीन स्तर ये हैं

(1) बोधि, सावकबोधि, पच्चेकबोधि

(2) पुथुजनबोधि, सावकबोधि, संबोधि

(3) बोधि, महाबोधि, संबोधि

(4) सावकबोधि, पच्चेकबोधि, सम्मासम्बोधि

45. कुछ जातक कथाओं के अनुसार, राजा कंस के भानजों - वासुदेव और बलदेव ने अपने आठ भाइयों के साथ मिलकर जब जम्बुदीप पर विजय प्राप्त की तब उन्होंने इस नगर में अपनी राजधानी स्थापित की

(1) अयोज्झा (2) मथुरा

(3) द्वारवती (4) गोकुलपुरी

46. What is the ultimate goal of Buddhist meditation ?

(1) Paññā (2) Vipassanā

(3) Nirodha Samāpatti (4) Nibbāna

47. Which of the following has the characteristics of non-distraction (avikkhepo) ?

(1) Sīla (2) Samādhi

(3) Paññā (4) Nibbāna

48. Which of the following has the function of stopping the physical and vocal misdeeds (dussilyaviddhaṃsanata) ?

(1) Sīla (2) Samādhi

(3) Paññā (4) Nibbāna

49. How many samyojanas are suppressed at the stage of sotāpatti ?

(1) 03 (2) 05

(3) 10 (4) 02

50. Which of the following is instrumental for the realization of 'Tilakkhaṇa' ?

(1) Sīla (2) Samādhi

(3) Vipassanā (4) Brahmavihāra

46. बौद्ध समाधि का परम लक्ष्य क्या है ?

(1) पञ्ञा (2) विपस्सना

(3) निरोध समापत्ति (4) निब्बान

47. निम्नलिखित में से किसका लक्षण 'अविक्षेप (अविक्खेपो)' है ?

(1) सील (2) समाधि

(3) पञ्ञा (4) निब्बान

48. निम्नलिखित में से कौन कायिक एवं वाचसिक अकुशल कर्मों को रोकने का कार्य (दुस्सील्यविद्धं सनता) करता है ?

(1) सील (2) समाधि

(3) पञ्ञा (4) निब्बान

49. सोतापत्ति की स्थिति में कितने संयोजनों को दूर किया जाता है ?

(1) 3 (2) 5

(3) 10 (4) 2

50. निम्नलिखित में कौन 'तिलक्खण' के साक्षात्कार में सहायक है ?

(1) सील (2) समाधि

(3) विपस्सना (4) ब्रह्मविहार

Space For Rough Work